International Conference on Latest Trends in Engineering,
Management, Humanities, Science & Technology (ICLTEMHST -2022)
27th November, 2022, Guwahati, Assam, India.

CERTIFICATE NO : ICLTEMHST /2022/C11221001

ब्रिटिश युग में शिक्षा नीतियाँ और स्वतंत्र भारत में उनके प्रभाव का अध्ययन

Anil Kumar Chauhan

Research Scholar, Ph. D. in Education, Dr. A.P.J. Abdul Kalam University, Indore, M.P

सारांश

ब्रिटिश शासनकाल में भारतीय शिक्षा नीतियों का अवलोकन करने पर प्रकाश पड़ता है कि इस काल में शिक्षा का प्रबंधन और प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में नई नीतियाँ अपनाई गईं। ब्रिटिश शासकों ने शिक्षा को एक उपनिवेशक उपकरण के रूप में देखा और उसे स्थानीय जनता के विकास और आर्थिक आधार पर नहीं, बल्कि अपनी स्वार्थपर राजनीतिक और आर्थिक अवश्यकताओं के अनुसार विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और समाज में नई सोच ने शिक्षा को एक समाजिक न्याय का माध्यम माना। नई शिक्षा नीतियाँ और योजनाएँ विकसित की गईं, जिनमें सामाजिक और आर्थिक समानता, साक्षरता की बढ़ती स्तर, और ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की पहुंच को बढ़ावा देने के उद्देश्य शामिल थे। इस प्रकार, ब्रिटिश युग से स्वतंत्रता के पश्चात शिक्षा नीतियों में परिवर्तन और उनका प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।